VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

- -

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 516283

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Anurag Ranjan Vatas

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

31/08/24

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

Mukherjee Nagar

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

VisionIAS

विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कल्पना कीजिए कि हम २१०० ई. वी. में है। जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए हमनें जो लक्ष्य और नीतियाँ बनायी थी, उनका पालन नहीं किया। ऐसे में इसके क्या परिणाम होंगे? इसका परिणाम बहुत भयावह हो सकता है। जब हम २१०० ई. वी. में पीढ़े के इतिहास के बारे में पढ़ेंगे, तो हमें पता चलेगा कि कई द्वीपीय देश जलमग्न हो गये, कई जीव-जन्तु की प्रजातियाँ विलुप्त हो गयी, कई नये प्रकार के रोग समग्र खतरा बनकर घूम रहे है तो कई अन्य प्रकार की समस्याएँ मुँह खोले खड़ी है। उस समय जब हम इन समस्याओं के कारणो की पड़ताल करेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह कार्य किसी एक या दो देश की बजाय पूरे विश्व व विश्व समुदाय द्वारा किया जाना चाहिए था।

इसी प्रकार वैश्विक स्तर

VisionIAS

ऐसी कई चुनौतियाँ है जिन पर यदि साथ मिल कर कार्य न किया जाय तो वे अपने अंतिम गंतव्य / समाधान को पूर्णरूपेण प्राप्त नहीं कर पायेंगी। इस सन्दर्भ में व्याप्त चुनौतियाँ है - जलवायु परिवर्तन, बहुआयामी गरीबी, भुखमरी की समस्या, खाद्य असुरक्षा, पोषण असुरक्षा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य का अभाव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित एक व्यापक समूह, आतंकवाद की समस्या, पर्यावरण के क्षरण की समस्या, जल असुरक्षा की समस्या, स्वच्छ ईंधन का अभाव, डिजिटल डिवाइड की समस्या, साइबर क्राइम की समस्या, लैंगिक असमानता की समस्या, आय असमानता की समस्या, सतत व संधारणीय शहरीकरण की समस्या, आजीविका हेतु उचित रोजगार की समस्या, उपभोग व उत्पादन की असंधारणीयता, मरुस्थलीकरण की समस्या, जैव विविधता ह्रास की समस्या, ग्लोबल वर्ड ऑर्डर संबंधी मुद्दे आदि।

उपरोक्त सभी चुनौतियाँ आज

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

सिर्फ एक देश तक ही सीमित नहीं है बल्कि इनका प्रभाव वैश्विक हो चला है। ऐसे में इनका समाधान भी वैश्विक स्तर पर, वैश्विक मंचो के द्वारा व वैश्विक सहयोग के माध्यम से ही किया जा सकता है। तो आइये अब हम विभिन्न चुनौतियों, उनसे जनित समस्या तथा समस्या समाधान हेतु आवश्यक वैश्विक कार्य व सहयोग को विभिन्न पक्षो के माध्यम से हल करते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती है- जलवायु परिवर्तन। IPCC की 6वीं रिपोर्ट के अनुसार यदि विश्व COP-21 (पेरिस समझौता) में निर्धारित अनुकूलन व आभिशमन नीतियों व लक्ष्यो को नही अपनाता है तो वैश्विक तापन पूर्व औद्योगिक समय की तुलना में 1.5°C तक रुकने की बजाय है यह 3°C - 4°C तक बढ़ सकता है। दरअसल इसके पीछे बढ़ने का कारण है कि न तो विकसित राष्ट्र व न ही उभरती

Visionias

अर्थव्यवस्थाएँ अपने लाभ से समझौता करना चाहती है वे सभी अपने स्तर पर अधिकतम लाभ कमाना चाहती है। इसी उपभोक्तावादी तथा व्यक्तिवादी भौतिक मानसिकता को व्यक्त करते हुए 'दिनेश कुशवाहा' जी कहते है -

" उनकी जठरानि से,
जल - जंगल - जमीन खतरे में है,
खतरे में है, पशु - पक्षी - पहाड़,
नदियाँ - झरने - समुद्र खतरे में है;
वे इस पृथ्वी (धरा) को गाय की तरह
दूहते - दूहते,
उसके एक - एक रोएँ को नोच लेना
चाहते है।"

उपरोक्त अविवेकशील कृत्य के बहुत भयावह भविष्यगत परिणाम हो सकते है तथा वर्तमान में दिख भी रहे है। जैसे - द्वीपीय देशो के पास समुद्र तल स्तर में वृद्धि (इंडोनेशिया को अपनी राजधानी बदलनी पड़ी), आपदाओं की तीव्रता व अप्रत्याशीता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

में वृद्धि, जैव विविधता का व्यापक स्तर पर विनाश आदि। ऐसा ही परिदृश्य 2100 ई० वी. तक चलता रहा तो यह धरा जोकि 'जीवन योग्य' है वह जीवन की भीख माँग रही होगी। अब प्रश्न उठता है कि इसका समाधान क्या है?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त समस्या का समाधान 'गांधी' के दर्शन (ईशावास्यं इदम् सर्वम्), 'उपनिषदों' के दर्शन (वसुधैव कुटुंबकम्), 'वैश्विक सहयोग' (UN जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ) आदि में छिपा हुआ है। अतः हमें जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या के निदान हेतु 'अर्थ समिट 1992' द्वारा गठित संस्था UNFCC के अन्तर्गत सभी देशों को साथ लाना चाहिए। साथ-ही-साथ जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्य करने वाली अन्य संस्थाओं यथा- IPCC, WMO, UNEP आदि का भी सहयोग लेना चाहिए। 'वैश्विक ग्राम' की भावना रखते हुए कार्य करने पर

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ही 'जलवायु परिवर्तन' के प्रति प्रभाव से निपटने का कार्य किया जा सकता है।

अब हम अन्य वैश्विक समस्याओं पर दृष्टिगत करते है तो पता चलता है कि 'आतंकवाद' एक वैश्विक समस्या बन गयी है। यह आतंकवाद समय के साथ-साथ अपने स्वरुपो को बदल रहा है। वर्तमान विश्व में आतंकवाद जनित विभिन्न समस्याएँ है। जैसे - साइबर आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग, नार्को आतंकवाद (आसियान ↔ विश्व), वैचारिक जनित आतंकवाद (ISIS, बोको हराम), तस्करी, जाली मुद्रा को बढ़ावा देना, अंतरिक्ष आतंकवाद, आदि। उपरोक्त आतंकवाद के बढ़ने का कारण कोई एक देश या महाद्वीप नहीं है बल्कि इसमें वैश्विक स्तर पर सभी राष्ट्रो का कुछ-न-कुछ योगदान है।

अब प्रश्न उठता है कि

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसका समाधान कैसे होगा? इसके समाधान के लिए पूरे विश्व को एक वैश्विक मंच पर साथ आना होगा तथा आतंकवाद को रोकने हेतु व्यापक नीति व योजना का निर्माण करना होगा। UN के चार्टर के अंतर्गत 'संकल्प 1267' की तरह आतंकवाद की एक व्यापक व सर्वसमावेशी परिभाषा बनानी होगी। साथ-ही-साथ FATF जैसी संस्थाओं, इंटरपोल जैसी अंतर्राष्ट्रीय पुलिस को और सशक्त करना होगा ताकि आतंकवाद जैसे वैश्विक मुद्दों से निपटा जा सके।

अब हम अन्य वैश्विक समस्याओं पर नजर डालते है। तो गरीबी, भुखमरी, खाद्य व पोषण असुरक्षा एक वैश्विक चुनौती के रूप में उभर करके आती है। 'ऑक्सफोर्ड व हंगरहिल्फ' द्वारा जारी 'हंगर रिपोर्ट' के अनुसार विभिन्न कारणों (जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद,

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रतिकूल मानसून, युद्ध (रुस-यूक्रेन, इसराइल-फिलीस्तीन), कूप (साहेल क्षेत्र, म्यांमार) आदि) से 2023 में लगभग 2 बिलियन लोग किसी न किसी रुप में भुखमरी का सामना कर रहे है। यह समस्या भुखमरी के साथ-साथ गरीबी में वृद्धि करती है, खाद्य व पोषण असुरक्षा को बढ़ाती है, स्वास्थ्य असुरक्षा को और तीव्र कर देती है। ऐसे में समाधान कहाँ से हो?

उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु हमें FAO, WHO, WB, WEF, G-20, UN जैसे वैश्विक संस्थाओं व मंचो का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि ये समस्याएँ वैश्विक है न कि स्थानीय। यदि हम साथ मिलकर कार्य नहीं करेंगे तो सतत विकास लक्ष्य-2030 के SDG-1 (गरीबी उन्मूलन), SDG-2 (शून्य भुखमरी), SDG-3 (पोषण सुरक्षा व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य) जैसे लक्ष्यों

VISION IAS

प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे।

अन्य पक्षो पर ध्यान दे तो 'ऊर्जा सुरक्षा' एक बड़ी चुनौती के रुप में ऊभर रहा है। जहाँ 'जीवाश्म ईंधन' ने विभिन्न समस्याएँ पैदा की है जैसे - पर्यावरण प्रदूषण, वैश्विक तापन में वृद्धि, CO_2 उत्सर्जन में वृद्धि, आयातक देशो के राजकोषीय घाटे में वृद्धि आदि। वर्तमान में विश्व की चाह व जरुरत है एक सतत व नवीकरणीय 'ऊर्जा पारितन्त्र' का निर्माण किया जाए जोकि पूरे विश्व की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित कर सके। ऐसे में यह समाधान COP-21 द्वारा स्थापित 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन', COP-22 में गठित 'ग्लोबल बायोफ्यूल अलांयस', One Sun One world One Grid जैसी वैश्विक संकल्पनाओं व सहयोग के द्वारा ही सुनिश्चित किया जा सकता है।

इसी कड़ी में अन्य वैश्विक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

चुनौतियों का समाधान भी विश्व के प्रत्येक देश को मिलकर कार्य से ही होगा। जैसे- मरुस्थलीकरण को रोकने हेतु UNCCD के अन्तर्गत बॉन चैलेंज में सहयोग करना होगा; जैव विविधता संरक्षण हेतु UNCBD, WWF, UNEP, UNESCO आदि वैश्विक संस्थाओ के साथ मिलकर कार्य करना होगा; 'अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार' को सुचारु रूप से चलाने व 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला' के बेहतर कार्य करने हेतु WTO के अन्तर्गत वैश्विक सहयोग करना होगा; ग्लोबल वर्ड ऑर्डर संबंधी व भू-राजनीतिक मुद्दो के समाधान हेतु UN, G-20, G-77, NAM आदि जैसे बहुपक्षीय मंचो का प्रयोग करना होगा; वर्तमान में विकसित हो रही नवीन तकनीको व प्रौद्योगिकियों (AI, IOT, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स) के सतत व समावेशी प्रयोग हेतु वैश्विक सहयोग करना होगा; आदि।

अत: हम यदि

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु मिलकर कार्य नहीं करेंगे तो ये कार्य पूर्ण नहीं हो पायेंगे क्योंकि ये चुनौतियाँ राष्ट्रीय या क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है।

सारतः हमें इन वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु मिलकर कार्य करना सीखना होगा। जिसके लिए हमें विभिन्न दर्शन, विचारक, संस्थाएँ, आदि मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है। महात्मा गांधी का सर्वोदय सिद्धान्त, 'महर्षि अरविन्द' का वैश्विक मानवतावाद हमें वैश्विक सहयोग व कार्य की प्रेरणा देता है इसी से प्रेरित होकर भारत ने 'LIFE मिशन' मिशन को शुरु किया जिससे -

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामय।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःख भाग भवेत्॥"

के मूल लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

VisionIAS

एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी विचार को स्वीकार किए बिना उस पर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

" एक चिन्तनशील व दूरदृष्टि वाला व्यक्ति सिर्फ अपनी मान्यताओं, आस्थाओं, अनुकूल विचारधाराओं तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि वह विभिन्न परिप्रेक्ष्यों को जानने, समझने व विचारने का प्रयत्न करता है।"

उपरोक्त कथन/भाव/विचार 'महात्मा गांधी' जी के बारे में सटीक बैठती है। दरअसल उनके विचारो का निर्माण ज्यादातर उनके अनुभवो पर आधारित था वो अनुभव उन्हे विभिन्न देशो, विभिन्न धरणो तथा विभिन्न समस्याओं का सामना करते हुए मिले थे। गांधी ने लगभग

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हर क्षेत्र में अपने विचारो को प्रस्तुत किया। चाहे वह सामाजिक पक्ष; राजनीतिक पक्ष हो; आर्थिक पक्ष; प्रशासनिक पक्ष हो या फिर अन्तर्राष्ट्रीय पक्ष। गांधी जी ने किसी विचार को यूँ ही नहीं स्वीकार कर लिया बल्कि उसको परिष्कृत करके अपने विचारो को और बेहतर बनाया। उनका दीक्षित मस्तिष्क ही उन्हे अन्य विचारों को समझने में सहयोग किया जिसके कारण गांधी अन्यविचारो का विरोध करने की बजाय और समावेशी विचार प्रस्तुत कर पाये।

विचारों की कड़ी में गांधी ने 'मार्क्स' के 'वर्ग-संघर्ष' विचार से आगे बढ़ते हुए 'वर्ग-समन्वय' को प्रस्तुत किया; मैक्यावेली के साध्य की पवित्रता के सिद्धान्त के स्थान पर 'साधन-साध्य की पवित्रता' का सिद्धान्त प्रस्तुत किया; 'मिल व बेंथम' के उपयोगितावाद

VisionIAS

के स्थान पर (सर्वोदय) जैसे सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया। उन्होंने ये सभी विचार व अन्य के विचारों को समझ करके ही प्रस्तुत किया।

अब प्रश्न उठता है कि जब हम दूसरे के विचारों पर ध्यान नहीं देते है तो क्या प्रभाव पड़ता है?, हमें दूसरो के विचारों पर ध्यान क्यों देना चाहिए?, एक शिक्षित मस्तिष्क कैसे कार्य करता है? तथा यदि हम शिक्षित मस्तिष्क का प्रयोग करते है तो उसके क्या परिणाम होते है? अब हम उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर को ढूढने का कार्य आगे की पंक्तियों में सार्थकतापूर्वक करेंगे।

यहाँ पर पहला व सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि शिक्षित मस्तिष्क की पहचान कैसे की जाए या फिर शिक्षित मस्तिष्क किसको कहा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

जाए? तो ऐसे में जवाब मिलता है कि ऐसा मस्तिष्क जो 'कूप मंडूक' होने की बजाए विविध विषयों, आयामों, पक्षो पर पूर्वाग्रही हुये बिना विचार करता है तथा सोचता है उसे हम दीक्षित मस्तिष्क की कैटेगरी में रख सकते है। एक उदाहरण के माध्यम से समझते है कि कैसे एक मस्तिष्क, दीक्षित मस्तिष्क के रुप में कार्य करता है।

यदि कोई भारतीय नागरिक किसी भी धर्म, संप्रदाय का होकरके अपने धर्म व संप्रदाय के विचारो, नैतिक नियमों, मूल्यो आदि (अनुच्छेद : २५-२८ - धार्मिक स्वतन्त्रता) का पालन करता है और साथ-ही-साथ वह अन्य धर्मो व संप्रदायो के बारे में विचार करता तथा उनके नियमों व नैतिक पक्षो को समझकर उनका भी सम्मान करता है तो ऐसा नागरिक 'सर्वधर्म समभाव' को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

बढ़ावा देगा तथा संविधान की मूल भावना का संरक्षण करेगा। ऐसे नागरिक को 'शिक्षित मस्तिष्क' वाला नागरिक कहा जा सकता है।

इसी कड़ी में कई दार्शनिक व विचारक हुए जिन्होंने अपनी मान्यताओं के साथ-साथ अन्य विचारों पर भी बेहतर चिन्तन व मनन किया। परिणामस्वरूप नये-नये विचारों को प्रस्तुत किया।

अब दूसरा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि हमें अन्य विचारों पर चिन्तन व मनन क्यों करना चाहिए? दरअसल विभिन्न विचारो पर चिन्तन व मनन का परिणाम होता है- सृजनात्मकता। यह सृजन बहुपक्षों पर विचार के परिणामस्वरूप ही सृजित होता है। जैसे- कबीर ने अपने चिन्तन व विचार में सिर्फ एक पंथ के विचारों को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISION IAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शामिल करने की बजाय विभिन्न विचारो को शामिल किया। जैसे: उन्होने नाथपंथियों के साथ-साथ सिद्दो से भी विचार व दर्शन लिये तो साथ-ही-साथ अपने 'गुरु रामानन्द' से भी ज्ञान अर्जित किया। उनका 'शिक्षित मस्तिष्क' ही था जो उनको निरक्षर होते हुए भी महान संत, कवि, समाजसुधारक व नेतृत्वकर्ता बना गया है।

अब तीसरा प्रश्न उठता है कि यदि हम किसी अन्य विचार पर न सोचो या फिर न ध्यान दे तो क्या हो सकता है? आज के इस 'पितृसत्तात्मक युग' में जहाँ पर 'लैंगिक समानता' को कम महत्व दिया जाता है। यदि हम महिला अधिकार, लैंगिक समानता के बारे में न सोचे तो क्या

VisionIAS

ये सामाजिक बुराई या असमानता खत्म हो जायेंगी ? जबाब है - नहीं। अत: हमें 'लैंगिक न्याय' जैसे विचारो के प्रति सजग रुप से सोचना व विचारना चाहिए तथा इस समानता की परिधि को व्यापक करते हुए इसे LGBTQI2S+ समुदायो तक भी ले जाना चाहिए।

अब अन्तिम व मूल प्रश्न उठता है कि जब हम दूसरे विचारो को अपनाये बिना उन पर चिन्तन मनन करते है तो क्या-क्या प्रभाव पड़ सकते है? दरअसल जब हम दूसरे विचारो के बारे में चिन्तन मनन करते है तो ऐसे कई पक्ष उजागर होते है जिनसे हम पूर्व में अनाभिज्ञ थे। जैसे - किसी गांधीवादी विचारक के द्वारा मार्क्सवादी विचार पर चिन्तन करने से उसे किसान व मजदूर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

की और दयनीय स्थिति का पता चलता है; लोकतान्त्रिक विचारधारा के समर्थक द्वारा राजतन्त्र या तानाशाही शासन के बारे में विचार करने पर इसमें व्याप्त परतन्त्रता तथा मानवाधिकार जैसे नैतिक मूल्यों के बारे में पता चलता है। इन पर विचार करने के क्रम में विचार करने वाले पर प्रभाव पड़ भी सकते है और नहीं भी।

सारत: विभिन्न विचारो पर विचार करने का ही परिणाम होता है कि 'अकबर' जैसे निरक्षर शासक सबसे सफल मुगल शासक बनते है। 'शिक्षित मस्तिष्क' का ही परिणाम है कि 'बुद्ध' अपने सभी सुःख - वैभव को छोड़कर निर्वाण की खोज में निकल जाते है और वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति करते है।

× × × ×

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

Intro ÷ बुद्ध → स्वीकार → विचार किया → निर्वाण →

① जब हम बिना विचार किये किसी विचार को स्वीकार करते हैं तो परिणाम

② एक विचारशील चिन्तक व्यक्ति

VisionIAS